International Shwe Han Thar Ariya Dhamma Center
Eiddhipala Mountain, Near 115-Mile Post,
(Yangon-Nay Pyi Taw Expressway),
Phyu Township, Bago Region, Myanmar.
Phonë: +95 9 952077017

वैश्विक नेताओं और सम्मानित परोपकारी लोगों के नाम एक खुला पत्र

प्रिय वैश्विक नेताओं, सम्मानित दानदाताओं और आदरणीय अतिथियों,

मैं दुनिया के कोने-कोने से आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

मेरा नाम आशिन इद्धिपाला (Ashin Eidhipala) है। मैं म्यांमार में रहने वाला एक बौद्ध भिक्षु, आध्यात्मिक साधक और लेखक हूँ। आज, मैं एक ऐसी गंभीर वास्तविकता और महत्वपूर्ण मानवीय आवश्यकता पर प्रकाश डालना चाहता हूँ जिसका सामना हमारा विश्व वर्तमान में कर रहा है।

यद्यपि हम विभिन्न देशों, जातियों, धर्मों, प्रवृत्तियों और विचारधाराओं में बंटे एक ग्रह पर रहते हैं, फिर भी हमारा मूलभूत मानवीय अनुभव एक समान है–हम सभी में दुख सहने की एक जैसी क्षमता है और शांति के लिए एक जैसी तड़प है। कोई भी मानवीय आत्मा कष्ट नहीं चाहती। दुर्भाग्य से, जब परस्पर विरोधी विचारधाराएं और विश्वास एक गतिरोध पर पहुँचते हैं, तो वे गृहयुद्धों और संकटों में बदल जाते हैं। इन संघर्षों के सबसे गंभीर परिणाम हमारी सबसे मासूम पीढ़ी को भुगतने पड़ते हैं: यानी बच्चों को।

चूंकि शरणार्थियों के रूप में उनका विस्थापन अनिश्चित काल के लिए बढ़ जाता है, इसलिए इन बच्चों को उनके सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है, जिससे उनका भविष्य पूरी तरह से अंधकारमय हो जाता है। एक अशिक्षित पीढ़ी का उदय न केवल एक राष्ट्र को उसके भविष्य के बुद्धिजीवियों, पेशेवरों और दूरदर्शी नेताओं से वंचित करता है, बल्कि अनिवार्य रूप से सामाजिक संकटों और अपराध दरों को बढ़ाने का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

वर्तमान में, विश्व महामारियों और प्राकृतिक आपदाओं–जैसे बाढ़, तूफान और भूकंप–से लेकर युद्ध की तबाही तक, लगातार कठिनाइयों का सामना कर रहा है। जैसा कि वैश्विक समुदाय अच्छी तरह जानता है, हम म्यांमार में इन आपदाओं को असाधारण गंभीरता के साथ सह रहे हैं। फिर भी, इन सभी प्रतिकूलताओं के बीच, सबसे विनाशकारी महामारी जिसका हम सामना कर रहे हैं, वह है हमारे लोगों के मनोबल में भारी गिरावट और निराशा की व्यापक

भावना।अपनी क्षमता के भीतर योगदान करने की गहरी तात्कालिकता से प्रेरित होकर, मैंने दृढ़ता से एजुकेशन सिटी प्रोजेक्ट (Education City Project - शिक्षा नगर परियोजना) स्थापित करने का संकल्प लिया है। यह पहल "मानव संसाधन विकास, नैतिक उत्थान और सुसंस्कृत, जिम्मेदार एवं अनुकरणीय नागरिकों के निर्माण" के लिए समर्पित है।

"करुणा और शिक्षा की जाति, धर्म या विचारधारा की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए।"

मेरा दृढ़ विश्वास है कि प्रत्येक बच्चे की शिक्षा, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना इस धरती पर सबसे महान और सर्वोच्च मानवीय गुणों में से एक है।

एजुकेशन सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत, हम निम्नलिखित को प्राप्त करने का संकल्प लेते हैं:

छात्र क्षमता: हम 20,000 (बीस हजार) छात्रों को प्रवेश देंगे।

शैक्षणिक दायरा: हम स्नातक होने तक पूरी तरह से वित्त पोषित आवासीय विद्यालय प्रणाली (बोर्डिंग स्कूल) के तहत, पूरी तरह से निःशुल्क (शिक्षा दान के रूप में) व्यापक माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा प्रदान करेंगे।

परियोजना बजट: इस विशाल विकास परियोजना की कुल अनुमानित लागत 210 मिलियन अमेरिकी डॉलर (USD 210 Million) है।

इसलिए, मैं इस मंच से सभी देशों के विश्व नेताओं, परोपकारी अरबपतियों और दयालु दानदाताओं को एक गंभीर और सम्मानजनक निमंत्रण देता हूँ। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप धार्मिक सीमाओं से परे देखें, मानवता को एक रूप में देखें और अपनी शुद्ध सद्भावना और क्षमता के अनुसार योगदान दें।

हम, बच्चों के साथ, उन सभी परोपकारी लोगों की उदारता और महान पुण्यों की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं जो वैश्विक स्तर पर मानवीय कार्यों का लगातार समर्थन करते हैं।

आप सभी खतरों से मुक्त रहें, और आप मन और शरीर की गहरी शांति का आनंद लें।

सादर आपका,

आशिन इद्धिपाला

(Ashin Eidhipala)

Ashin Eiddhi Pala
Founder of Eiddhipala Education City
Meditation Master & Author
International Shwe Han Thar Ariya Dhamma Center
Eiddhipala Mountain, Near 115Mile Post
(Yangon-Nay Pyi Taw Expressway),
Phyu Township, Bago Region, Myanmar
Gmail - ashineiddhipalasayar2@gmail.com
Phone: +95 9 952077017